अनुसंधान – १९९७ – ०८

संपादक - विजयशीलचन्द्रसूरि

मुख्य टाइटल
सम्पादकीय
अनुक्रमणिका
ललितांग चरित्र अपर नाम रासक चूडामणि – सं. हरिवल्लभ भायाणी ------------------------------ १
त्रंबावती-तीर्थमाळ – सं. मुनि भुवनचन्द्र -- ६२
श्रीस्तंभतीर्थना देरासरोनी सूचि-१ – सं. मुनि भुवनचन्द्र -- ७०
एक नोंधपात्र पुस्तकनी प्रशस्ति – सं. विजयशीलचन्द्रसूरि -- ८०
हेमचन्द्राचार्य प्रतिष्ठित प्रतिमा – सं. विजयशीलचन्द्रसूरि ---८१
स्तुत्यात्मक सात लघु कृतिओ – सं. मुनिश्रीधुरंधरविजयजी -------------------------------------- ८३
लघु-कर्मविपाक सस्तबकार्थ – सं. मुनिधर्मकीर्तिविजय -- ८९
श्रीहरिभद्रसूरिविरचितं समसंस्कृत-प्राकृत जिन साधारण-स्तवन – सं. विजयशीलचन्द्रसूरि --------- १००
श्रीहीरविजयसूरीश्वर-शिष्य-श्रीशुभविजयकृत स्याद्वाद-भाषा – नारायण म. कंसारा ------------------ १०२
शब्दप्रयोगोनी पगदंडी पर – ह. भायाणी -- १०८
परंपरागत प्राकृत व्याकरण की समीक्षा और अर्धमागधी ए पुस्तकनो परिचय – के. आर. चन्द्र -- १२२
श्री जिनस्तुतिः – सं. मुनिजगतच्चन्द्रविजयगणि --- १२५
जैन विश्वभारतीनी आगम ग्रंथमालानां चार अद्यतन प्रकाशन ------------------------------------- १२७
केटलीक नोंधपात्र हस्तप्रत – ह. भायाणी -- १३०
ए नोट ओन उल्लण, कुसुण/कुसण, तीमण – ह. भायाणी --------------------------------------- १३३
अवसान नोंध -- १३५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org